॥ श्रीहरिः ॥

प्रेममोहनी चेतचातरी

उपन्यास ।

जापर जाको सत्य सनेहू ।
सो तिह मिले न कछु सन्देहू ॥

पं० लछमनप्रशाद नागर लिखित

प्रकाशक—
बाबू बनारसी दास
(अध्यक्ष)
फ्रेण्ड ऐण्ड कम्पनी—मथुरा ।

PRINTED BY
PANNA LAL ROY, MANAGER
AT THE LAHARI PRESS
Benares City.

1912.

प्रथम बार १०००]   [मूल्य ≡)॥